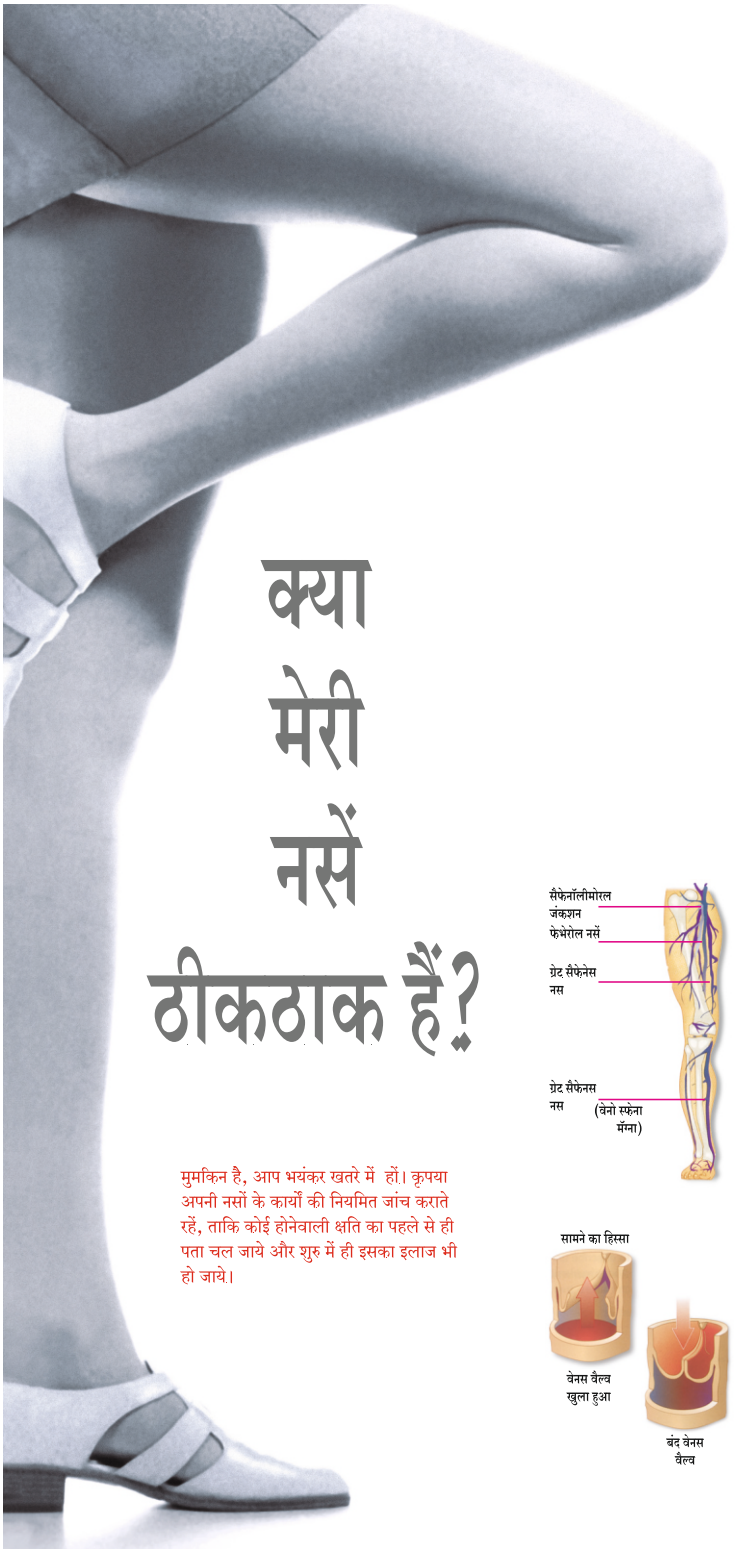

क्या मेरी नसें ठीकठाक हैं?

मुमकिन है, आप भयंकर खतरे में हों। कृपया अपनी नसों के कार्यों की नियमित जांच कराते रहें, ताकि कोई होनेवाली क्षति का पहले से ही पता चल जाये और शुरु में ही इसका इलाज भी हो जाये।

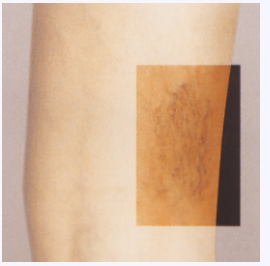

स्पाइडर नसें

वैरिकोज़ नसें (= वैरिसेस)

कृपया अपने डॉक्टर से सलाह लें। मुमकिन है, शुरुआती वजह, आपके पैरों की नसों में, कोई प्रारंभिक या बढ़ीहुई गड़बड़ी हो। स्थिति और ज़्यादा बिगड़ जाये, इसकी रोकथाम, केवल लगातार इलाज द्वारा ही संभव है।

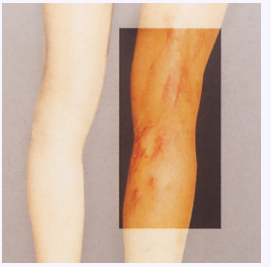

नसों पर हल्की-हल्की लालिमायुक्त धारी के साथ, नसों मे जलन

ऐसा हो, तो अपने डॉक्टर से तत्काल सलाह लें। इसकी संभावित वजह, नसों में जलन हो सकती है।

नसों की गड़बड़ी, बिल्कुल नुकसान-रहित तरीके से शुरु होती है ...

... और अगर उनका इलाज न किया जाये, तो वह भयंकर समस्या बन सकती है।

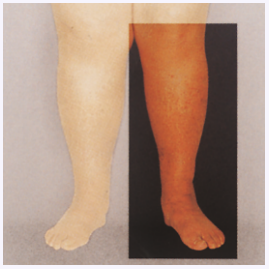

त्वचा बदरंग होने के साथ-साथ, क्रॉनिक वेन्स की कमी

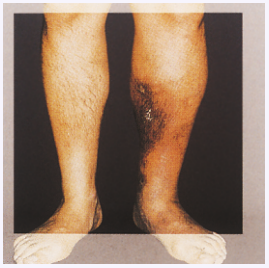

एक तरफ, सूजन के साथ, गहरी नस थ्रॉम्बोसिस के बाद की स्थिति

आप जल्द से जल्द, अपने डॉक्टर से सम्पर्क करें। इसका संभावित कारण है – खतरनाक नस-थ्रॉम्बोसिस

क्षतिग्रस्त लिम्फैटिक प्रणाली के कारण सूजन

कृपया अपने डॉक्टर से सलाह करें। मुमकिन है कि आपकी लिम्फैटिक प्रणाली क्षतिग्रस्त हो गयी हो।

अगर यह तकलीफ बार-बार होती है, तो अपने डॉक्टर को बतायें। इसकी वजह न्यूरोलॉजिकल हो सकती है।

कृपया अपने डॉक्टर से सलाह करें। मुमकिन है, धमनी प्रणाली में गड़बड़ी, इसकी वजह हो।

हमारे आधुनिक समाज में, हर दूसरे युवा लड़के-लड़कियां, नसों की गड़बड़ी या नसों की सूजन का शिकार हो जाते हैं और उन्हें खबर भी नहीं होती। अगर तत्काल इसका इलाज न किया जाये, तो यह स्थिति दिनोंदिन बिगड़ती जाती है। पुरुषों की तुलना में, ज़्यादा कमज़ोर कनेक्टिव टिशु और गर्भावस्था की वजह से, औरतें इस रोग की ज़्यादा शिकार होती हैं। इसके प्रारंभिक लक्षण हैं - शाम के वक्त पैरों में थकान महसूस करना या पांवों का भारी हो जाना। पांवों से दिल की तरफ, वापसी बहाव (return flow) कम हो जाता है।

इससे होनेवाली तकलीफों को अगर गंभीरता से नहीं लिया गया, तो बहुत जल्दी ही, शाम के वक्त तकलीफें बढ़ जाती हैं और पैर भी फूल जाते हैं। भारी और फूले हुए पांवों से यह साफ़ ज़ाहिर हो जाता है कि पांवों की नसों में खून जमने लगा है। दुर्भाग्यवश, हम खतरे के इस संकेत को नज़रअन्दाज़ कर देते हैं, क्योंकि यह सूजन, जिसे इडीमा भी कहते हैं, आमतौर पर एकाध रातों के बाद ग़ायब हो जाता है। बहरहाल, अगली शाम यह तकलीफ फिर शुरु हो जाती है।

आखिर गड़बड़ी क्या होती हैं ?

आमतौर पर वंशगत् पूर्व-प्रवृत्ति ही इसका प्रमुख कारण है। इसके अलावा, ज़्यादा देर बैठे रहने से या खड़े-खड़े काम करने से, पांवों की नसों मे खून जमने लगता है। पैरों की नसें आसानी से खिंच जाती हैं और रक्त के दबाव से फैल भी जाती हैं। नसों की दीवारों में भी बदलाव आ जाता है और ये ज़्यादा प्रवेशयोग्य हो जाती हैं। नसों से फ्लुइड और प्रोटीन गायब होकर, आस-पास की टिशु में प्रवेश कर जाती है। फलस्वरूप पैर फूल जाता है और इडीमा विकसित हो जाती है।

समतल स्थिति में, टिशु में फ्लुइड, रात भर में लुप्त हो जाती है और इडीमा गायब हो जाती है। अक्सर जब पैर की नसें देर-देर तक फैली रहती है, तो इसका नतीजा और ज़्यादा गंभीर होता है। नसों के फैलाव को उलटी ओर नहीं मोड़ा जा सकता और नसों की दीवारें ज़्यादा प्रवेशयोग्य हो जाती हैं।
यह भयंकर गड़बड़ी की शुरुआत है।

इसके परिणाम् क्या होते हैं ?

स्पाइडर नसें, वैरिकोज़ नसें और बढ़तीहुई सूजन, जो अपनेआप कभी लुप्त नहीं होतीं और ये नसों की गड़बड़ी के चेतावनी-ठसंकेत है। इसका अगर फौरन इलाज नहीं किया गया, तो ट'ओपेन लेग' और थ्रॉम्बोसिस के रूप में जीवन पर ख़तरा बन सकता है।

टिशु में बचीहुई प्रोटीन और तरल चीज, पांवों के सबसे निचले बिन्दु पर और एड़ियों के हिस्से में 'स्वाम्प जैसा' यानी दल दल जैसी जगह बनाती है। 1.2 मिलियन से भी अधिक जर्मन लोग, इस तकलीफ के शिकार हैं, जिससे निरोग होना मुश्किल है।

जहां तक थ्रॉम्बोसिस का सवाल है, नसों के जमाव की बजह से, एक थ्रॉम्बस (रक्त-पिंड) बन जाता है। अगर थ्रॉम्बस पैरों से होकर फेफड़ों तक जाने की राह पा जाता है, तो जान का ख़तरा बन जाता है : फेफड़ों पर असर करनेवाला, धमनी या नसों में रक्त-संचालन में अवरोध पैदा हो जाता है।

अगर शुरु में ही इस रोग का पता चल जाये, तो इसके बढ़ने की रोकथाम की जा सकती है। अब मौका आपके हाथ में है। आप आज ही इलाज शुरु कर दें।

जनसाधारण की सुविधा के लिए प्रचारित किया गया :

medi

मुझे बेहता अहसास
www.medi.de

ऐंटी-एमबोलिज़्म मोजे
मेडिकल ग्रैजुएटेड कम्प्रेशन मोजे एवं पोशाकें
डी वी टी, वेरिकोज़ नसें, लिम्फोइडीमा के लिऐ
मेडी जी एम बी एच ऐण्ड कं. के जी, जर्मनी का एक प्रोडक्ट

भारत में एकमात्र आयातकर्ता एवं वितरक

PUSHPANJALI medi India Pvt Ltd
MEDICAL COMPRESSION | ORTHOPEDICS | PHYSIOTHERAPY | REHABILITATION
16, Ganesh Chandra Avenue, Gandhi House, Kolkata-700 013
: +91-33-4040 1300, 2236 0368, : +91- 33-2221 7335, : 91633 60368
: www.pushpanjaligroup.com : shop-pushpanjali.com : info@pushpanjaligroup.com : pushpanjali medi india
SCAN FOR MORE DETAILS